बालमन कुछ कहता है

खेलों का महत्व

खेली m HEIG Date 26/1/2018 हुमारे जीवन में खेलों का विशेष महत्व हैं। आधुनिक जीवन-शैली में खेल की उपयोगिता और अधिक बढ़ गंपी हैं। स्कूलों में भी अब खेलों पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है। शारीरिक सर्व मानसिक खास्य के विर खैल अत्यन्त उपयोगी है। खेल कई प्रकार के होते हैं। कुछ खेन में खेले जाते हैं और कुछ मैंदान में। छात्रों के विस तो मैंदान में खेंगे जा सकने वार्वे खेल ही अधिक लाभदापक होते हैं। जैसे- कबह्डी, हॉमी, क्रिकेट, बैंडमिन्टम, टेनिस, खी-खो, बास्तै टबॉल, वॉलिबॉल, आदि। इम खेंबों से इसाय मनोंजन भी होता है और व्यापास भी। खेल हमारे श्रारीर को स्वस्थ्य बनारे रखने के साथ-साथ हमारे भीतर कई अन्द्रे और आवश्यक गुणों का विकास भी करते हैं। खें और ये प्रतिपीकीना की तथा संघर्ष की भावना सहज ही सीखी जा सकती हैं। साम्रहिक जिम्मेदारी, आपसी - सहयोग, अनुशासण की भावना स्वं नैतृत्व की भागता का विकास भी खैंनों सै होता हैं, जिनका हमारे जीवन जिसीण में विश्लीण महत्व हैं। आजू के पुरा में खैलों का सहत्व इस कारण से भी अधिक हैं क्यों कि खेल से हमें येनामार, प्रसिद्धि, धन-दौला, और पद सर्व पुरस्कारों की प्राप्ति होती हैं। निरनार खैन ने से व्यक्ति की कई प्रकार के रोकों से सक्ति किनती है। खैनों के द्वारा विभिन्न भाषा बोड़ने वाली के बीच सहज ही मैंत्री स्थापित हो जाती है। उन देश से दूसरे देश के बीच सम्बन्ध भी खेल में मजबूत होते हैं। खेल किसी भी देश की संस्कृति की दर्शांता हैं। खेल से देश का गौंख भी बढ़ता हैं। आज सरकारु के द्वारा भी खेलों की विशेष साहन दिया जा रहा है। अनः हमें खेल से अवश्य भारा कैना माहिस। NAME: - VI PUL WATS ALH-19 JO OR - V-F Class:-I Sec:-F

केन्द्रीय विद्यालय, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली